

Answer Key & Marking Scheme
Sindhi Class XII
Term - II (2021-22)

समय: 2 कलाक

कुल मार्कू – 40

| सुवाल नं. | | मुख्तिसर जवाब | मार्कुनि जी विरहासत | कुल मार्कू |
|-----------|-------|---|---|------------|
| 1. | (i) | जसवंत कुमार मनसुखाणी हिदायतकारी में पाण मोखियो आहे सिंधी तर्जुमा ऐं असुलोका नंढा ऐं वडा नाटक कामयाबीअ सां स्टेज ते आंदा अथई। | 1 + 1 = 2 | 3x2 = 6 |
| | (ii) | हिन एकांकीअ में समाज में रहंदड़ माण्हूं कहिडे नमूने ख्याली खौफ ऐं हिरास में भरिजी पंहिजा डीह कटे रहिया आहिनि। | 1 + 1 = 2 | |
| | (iii) | कली गुलाब जी, सागर शराब जो, भारत जी स्त्री, बोली मुंहिंजी माउ | $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 2$ | |
| | (iv) | हिन कहाणीअ में लेखिका माउ जे अहिसासनि, उमंगनि जो दिल भिजाईदड़ चित्र चिटियो आहे ऐं औलाद जे रूखे सुभाव जी जोरदार नमूने ओघड़ि कई आहे। | 1 + 1 = 2 | |
| 2. | | हीअ सामाजिक कहाणी आहे हिन में औलाद ऐं माउ जे विच में जज्बात डेखारियल आहे। या शागिर्द एकांकीअ जो सार पंहिजे लफजनि में लिखंदा ● पेशकश ● भाषा शैली | 2 + 2 = 4 2 2 | 4 |
| 3. | (i) | बेवसि जो जनमु 1885 सिंधु जे लाडकाणे शहिर में थियो। 1947 में संदसि देहांत थियो। हीउ आदर्श मास्तरू, आदर्श पिता ऐं नऐं दौर जो बानी शाइर आहे। | 1 + 1 = 2 | 4 |

| | | | | |
|----|------|--|------------------|---|
| | (ii) | <p>हवालो :- चमन में बातियुनि जी । हीउ हवालो बहार कविता मां वरितल आहे जहिंजो शाइर श्री किशनचंद बेवसि आहे । हवाले जी समुझाणी शार्गिद पंहिंजनि लफ़्जनि में लिखंदा ।</p> <p>या</p> <p>रोटियुनि जे ज्ञान विज्ञानु हीउ हवालो "खयाबान तूं भांइं" मां वरितल आहे । हिनजो कवि इंदरु भोजवाणी आहे । हवाले जी समझाणी शार्गिद पंहिंजनि लफ़्जनि में लिखंदा ।</p> | 1 + 1 = 2 | |
| 4. | | <p>बेवसि कविता में बहार जी मुंद अचण सां चौगिर्द वायूमण्डल में जेको फेरो अचे थो ऐं कुदरती सूंहं वधी वजे थी, उन जो चित्रु चिटियो आहे ।</p> <p>या</p> <p>हिन कविता जो सारु बार पंहिंजनि लफ़्जनि में लिखंदा ।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पेशकश ● भाषा शैली | 1 + 2 = 3 | 3 |
| 5. | | <p>कंहिं बि हिक विषय ते मजमून लिखंदां ।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● प्रस्तावना ● विषय वस्तु ● प्रस्तुति ● भाषा शैली | 2 2 2 2 | 8 |
| 6. | | <p>रिपोर्ट</p> <ul style="list-style-type: none"> ● प्रस्तुति ● विषय वस्तु ● भाषा शैली | 1 2 2 | 5 |

| | | | |
|----|---|-----------|---|
| 7. | जनमु 20 नवम्बर, 1911, देहांत 1987 प्रो. राम पंजवाणी साहित्य जी हर फ़न ते कलम आजमाई कई आहे – कहाणी, नाविल, मज़मून, कविता, संगीत वगैरह। | 1 + 1 = 2 | 2 |
| 8. | नाविल जे आधार ते बार नाविल जी जाण पंहेजनि लफ़जनि में डींदा। | 1 + 1 = 2 | 2 |
| 9. | दादा निरंजन जो चरित्र चित्रण कंदा। आशावादी, शांत सुभाव, परमात्मा में विश्वास रखंदड़, पोइ संदसि पुट जे बुडण जो अहिवाल बुधी नास्तिक बणिजी पवणु। या नाविल जा तत्व, उन जे आधार ते नाविल पढी शागिर्द समालोचना कंदा। | 2 + 4 = 6 | 6 |